Ques:— ① write notes on ALFRED ADLER

Ans:—

मनोविज्ञान के इतिहास में Alfred Adler एक ऐसा व्यक्ति है, जिसने Dr. S. Freud के मनोविश्लेषण (Psychoanalysis) परंपरा के भीतर रहते हुए भी और Freud का शिष्य होने के बावजूद भी, अपना dis-agreement प्रदर्शित किया। यह घटना 1911 में हुयी जबकि Adler ने अपने को Freud की मुख्य विचारधारा से अलग करके अपना स्वतंत्र School "Individual Psy" के नाम से कायम किया। Freud के "Instinct theory" और Jung के "Archetype theory" से dissatisfied होकर उसने यह महसूस किया कि व्यक्तित्व के विकास पर वातावरण और विभिन्न Social influences का अलग अलग असर पड़ता है। यह प्रभाव nor-mal और abnormal दोनों की Personality के साथ घटित होता है।

Vienna में 1870 में जन्म लेकर Adler की मृत्यु 1937 में Aberdeen में हुयी, जबकि वह एक lecture tour पर निकला हुआ था। उसने medicine में graduation पाया था और Psychiatry में विशिष्टता हासिल की थी। वह Freud के Psycho-analytic Society का एक संभावित charter member था और एक साल तक उसने उस संस्था की अध्यक्षता भी की थी। 1911 में वह Freud से अलग हुआ और Vienna में अपना अलग स्कूल कायम किया। विश्व-युद्ध के समय army में सेवा करने के बाद उसका interest child guidance movement की ओर बढ़ा और 1920s में उसने अपनी रुची को साकार रूप देने के लिए कई clinics और Special schools की स्थापना Vienna में की। 1935 में वह अमेरीका आया और एक college में Psychiatry का Professor नियुक्त हुआ। यहाँ उसने "Individual Psychology" पर एक Society कायम किया, जहाँ उसके विचारों के मुताबिक शोध कार्य होने लगे। Adler की पुस्तकें काफी लोकप्रिय सिद्ध हुयीं जिनमें दो प्रमुख थे: —— "The Practice and theory of Individual theory" (1927) एवं "Social interest" (1933)

Adler ने यह बताया कि मनुष्य अपने ambition, Hope, तथा Future goals तक पहुंचने की इच्छा से बहुत ज़्यादा प्रभावित होता है और उस पर जन्मजात ~~desires~~ desires तथा Past experiences का असर नहीं होता। वह स्वस्थ्य व्यक्ति के कुछ realistic Social goals हुआ करते हैं; जबकि Neurotic व्यक्तियों के goal unreal और आत्मकेन्द्रीत हुआ करते हैं। Adler ने यह बताया कि Sexual desires की तुलना में agressive प्रवृतियों का अधिक बोल-बाला होता है। जैसे – विजय की

कामना, Mastry (स्वामित्व), अथवा Security feeling etc. इन बातों के मूल में व्यक्ति में अपने आप पर mastry कर पाने की need मौजूद रहती है। और इस तरह यह अपनी योग्यताओं को Perfect बनाकर Self-realization को पाना चाहता है। उसका यह उद्देश्य इस बात से प्रमाणित होता है कि बाल्यावस्था में आदमी व्यस्कों की तुलना में कमजोर और inferior हुआ करता है। फलत: उसमें inferiority feeling बढ़ने लगती है, जिसके निदान के लिए वह क्षति-प्रतिपूरक (compensatory behaviour) व्यवहार करने लगता है। Healthy लोगों में ऐसा व्यवहार तो उनके normal development में मदद पहुँचाता है, मगर neurotics में inferiority complex बढ़ने से अत्यधिक anxiety होने लगती है और वह अपनी गलतियों के बारे में unrealistic ख्याल बना लेते हैं। स्वाभावत: उनमें इन कमियों को compenset करने के लिए woild desires बनने लगते हैं और उनका अभियोजन disturbe हो जाता है। Healthy व्यक्तियों में यह एहसास बना होता है कि goal तक पहुँचने में उनकी सीमा कहाँ तक है, और इस कारण उनके व्यवहार "Social interest" की शक्ल में प्रकट होते हैं। जन्म से लेकर समाज में training पाते हुए, व्यक्ति इस प्रकार परिपक्व होता है कि अपने Self interest को वह दूसरों की भलाई और सहयोग, सामाजिक सम्बन्धों, स्नेह और विश्वास तथा मानव कल्याण जैसे कामों में merge करा देता है। उसकी इच्छाएं और आक्रमक प्रवृतियाँ समाजिकरण की प्रक्रिया के साथ sublimated होने लगती है और इसी तरह उसका जीवन समाज के लिए सभ्य तथा उपयोगी लक्ष्यों की पूर्ति में मददगार होता है। कहना न होगा कि व्यक्तिक जरूरतों की जगह अब सामाजिक आदर्श ले लेता है। मगर, जहाँ तक neurotic व्यक्ति का सवाल है, उसका adjust-ment निरंतर बिगड़ता ही जाता है और वह हमेशा अपने को outsider की तरह समझ लेता है।..................

Adler ने बताया कि हर व्यक्ति का Personality unique होता है, childhood में हर व्यक्ति अपने लिए एक खास Style of life विकसित करता है। यानी इसके Traits, Habits, Motives, Desires आदि अजिबो-गरीब किस्म की हुआ करती है, जो दूसरों से अलग हुआ करता है। Inferiority feeling और Social Situation (Personality का factor), जिनसे बाल्यावस्था में सामना होता है, के विचित्र मिलन से ही होता है। एक ही लक्ष्य की इच्छा करने के भी कई तरीके हो सकते हैं और व्यक्ति अपने basic goals में किसे ज्यादा महत्व देता है, वह भी अलग अलग हुआ करता है। अतएव Adler ने बताया कि हर व्यक्ति अपना पृथक व्यक्तित्व बना सकता है, यदि वह अपने Style

Scanned with CamScanner

में परिमार्जन लाये और "creative self" के प्रतिरूप आदि की व्याख्या का प्रयास करे।

Neurosis और style of life के कारणों का पता लगाते हुए Adler ने तीन बातों पर विशेष ज़ोर दिया:

(1) Parents और बच्चों के बीच का संबंध।

(2) Birth order.

(3) Childhood में मिलने वाले inferiority feeling का प्रकार।

इनके अलावा Adler ने "unconscious" के महत्व को अपनी पद्धति में उतना महत्व नहीं दिया। वह repression में विश्वास नहीं करता था और ऐसा भी नहीं समझता था कि basic goals तक व्यक्ति नहीं पहुँच सकता है। रोगी व्यक्तियों को वस्तुतः Training की ज़रूरत होती है ताकि वह अपने inner life को समझ सकें और उन्हें ठीक कर सकें। इसतरह Adler की विचार धारा में व्यक्तित्व विकास पर Social environment और interpersonal relationship का role बतलाया। काफी आलोचनाओं का शिकार होने के बावजूद भी Adler हमेशा ही सामान्य और असमान्य व्यक्तित्व को समझने में Social Situation के role को बतलाता रहा। आज भले ही उसका स्थान उतना सुरक्षित नहीं है, जितना कि Jung और दूसरे लोगों का। बावजूद इसके, हम Adler के योगदानों को कम नहीं आँक सकते।

Saltun
[illegible]